जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईज़ेड) ने पवन ऊर्जा समझौते के माध्यम से 100% हरित ऊर्जा उपलब्धि हासिल की

मुंबई, 12 सितंबर 2025 : भारत के सबसे बड़े कंटेनर बंदर, जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) ने संपोषणीयता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए घोषणा की है कि जेएनपीए-विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईज़ेड) ने अपने परिचालन के लिए 100% हरित ऊर्जा में सफलतापूर्वक रूपांतरण कर लिया है। एसईज़ेड ने 1 सितंबर 2025 से प्रभावी होने वाले 6.0 मेगावाट ग्रिड-कनेक्टेड पवन ऊर्जा की खरीद के लिए एक नए अल्पकालिक ओपन एक्सेस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के अंतर्गत बिजली की खरीद दर मात्र रु. 3.12 प्रति यूनिट (के डब्ल्यू एच) होगी।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए, जेएनपीए के अध्यक्ष एवं वीपीपीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से ने कहा, "जेएनपीए में हमारा दृढ़ विश्वास है कि संपोषणीय विकास और प्रगति को साथ-साथ चलना चाहिए। हमारे एसईज़ेड का 100% हरित ऊर्जा में परिवर्तन, एक जिम्मेदार और भविष्य उन्मुख औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की हमारी दृष्टि को दर्शाता है। यह पहल न केवल हमारे पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है, बल्कि एसईज़ेड में काम कर रहे उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी प्रदान करती है। इस हरित बदलाव का नेतृत्व कर, जेएनपीए भारत के संपोषणीय, पत्तन -आधारित औद्योगिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहा है। जेएनपीए एसईज़ेड हमारी नोड-टू-नेटवर्क रणनीति का एक अहम हिस्सा है, जो हमें टर्मिनल सेवाओं से आगे बढ़कर एक समग्र पोर्ट इकोसिस्टम के रूप में स्थापित करता है।"

एक मान्य लाइसेंसधारी के रूप में, जेएनपीए एसईज़ेड अपने उपभोक्ताओं के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, ओपन एक्सेस के माध्यम से बिजली खरीदता है। अगस्त 2021 में अपनी स्थापना के बाद से, एसईज़ेड पारंपरिक स्रोतों से 6.30 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर से बिजली प्राप्त कर रहा है। यह परिवर्तन पर्यावरणीय और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से एक उप्लबधी है, जो लागत कम करते हुए हरित परिचालन को सक्षम बनाता है।

यह कदम पर्यावरणीय जिम्मेदारी, कार्बन उत्सर्जन में कमी और संपोषणीय औद्योगिक विकास के प्रति जेएनपीए एसईजेड की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है, तथा देश भर के अन्य आर्थिक क्षेत्रों के लिए एक मानक स्थापित करता है।

यह उपलब्धि प्रभावशाली हरित पहलों की दिशा में जेएनपीए के अथक प्रयासों को रेखांकित करती है तथा पत्तन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए एक स्थायी भविष्य को आकार देने में इसके नेतृत्व को उजागर करती है।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है। पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:

अंबिका सिंह

वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण

मोबाइल नंबर: +91 9920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जनेप प्राधिकरण
JNPA

INDIA'S
LARGEST
CONTAINER
PORT

JNPA SEZ
ज ने प प्रा वि आ क्षेत्र
Anchor the Global Trade. Together.

जेएनपीए विशेष आर्थिक क्षेत्राने (एसईझेड) पवनऊर्जा करारादवारे 100% हरित ऊर्जा साध्य केली

मुंबई, 12 सप्टेंबर 2025 : भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाने (जेएनपीए) शाश्वततेकडे मोठी पावले टाकत घोषणा केली आहे की जेएनपीए-विशेष आर्थिक क्षेत्राने (एसईझेड) आपल्या सर्व कामकाजासाठी 100% हरित ऊर्जेकडे यशस्वी संक्रमण केले आहे. या एसईझेडने 1 सप्टेंबर 2025 पासून प्रभावी ठरणाऱ्या 6.0 मेगावॅट ग्रिड-कनेक्टेड पवनऊर्जेच्या खरेदीसाठी नव्या अल्पकालीन ओपन अॅक्सेस करारावर स्वाक्षरी केली आहे. या करारान्वये वीज खरेदीचा दर केवळ रु. 3.12 प्रति युनिट (केडब्ल्यूएच) इतका कमी असेल.

या यशाबद्दल बोलताना, जेएनपीएचे अध्यक्ष आणि व्हीपीपीएलचे अध्यक्ष आणि व्यवस्थापकीय संचालक श्री. उन्मेष शरद वाघ, भा. रा. से, म्हणाले, "जेएनपीएमध्ये आम्ही ठामपणे मानतो की शाश्वतता आणि प्रगती ही हातात हात घालून पुढे जायला हवी. आमच्या एसईझेडचे 100% हरित ऊर्जेकडे झालेले संक्रमण हे जबाबदार व भविष्याभिमुख औद्योगिक परिसंस्था घडवण्याच्या आमच्या दृष्टीकोनाचे प्रतीक आहे. या उपक्रमामुळे केवळ पर्यावरणावरील आमचा परिणाम कमी होत नाही तर एसईझेडमध्ये कार्यरत उद्योगांसाठी स्पर्धात्मक फायदेही निर्माण होतात. या हरित बदलाचे नेतृत्व करून जेएनपीए भारतातील शाश्वत, बंदर-केंद्रित औद्योगिक विकासाला गती देणारा आघाडीचा घटक असल्याची पुन्हा एकदा पुष्टी करत आहे. जेएनपीए एसईझेड आमच्या नोड-टू-नेटवर्क धोरणातील महत्त्वाचा दुवा आहे, ज्यामुळे आम्हाला टर्मिनल सेवांच्या पलीकडे जाऊन सर्वसमावेशक पोर्ट परिसंस्थेतील आमची भूमिका बळकट करता येते."

एक परवानाधारक म्हणून, जेएनपीए एसईझेड वीज मंत्रालयाने निश्चित केलेल्या मार्गदर्शक तत्त्वांनुसार, खुल्या प्रवेशाद्वारे ग्राहकांसाठी वीज खरेदी करते. ऑगस्ट २०२१ मध्ये स्थापन झाल्यापासून, एसईझेड पारंपारिक स्त्रोतांकडून ६.३० रुपये/केडब्ल्यूएच दराने वीज मिळवत आहे. हे संक्रमण पर्यावरणीय आणि आर्थिकदृष्ट्या एक महत्त्वाचा टप्पा आहे, ज्यामुळे खर्च कमी करताना हरित ऑपरेशन्स सक्षम होतात.

हे पाऊल जेएनपीए एसईझेडच्या पर्यावरणीय जबाबदारी, कार्बन उत्सर्जन कमी करणे आणि शाश्वत औद्योगिक विकासासाठीच्या वचनबद्धतेला बळकटी देते, ज्यामुळे देशभरातील इतर आर्थिक क्षेत्रांसाठी एक उदाहरण स्थापित होतो.

हे यश जेएनपीएच्या प्रभावी हरित उपक्रमांकडे वाटचाल करण्याच्या अथक प्रयत्नांना अधोरेखित करते आणि बंदर आणि लॉजिस्टिक्स क्षेत्रासाठी शाश्वत भविष्य घडवण्यात त्यांच्या नेतृत्वाला अधोरेखित करते.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

JNPA SEZ Achieves 100% Green Energy Milestone Through Wind Power Agreement

Mumbai, September 12th, 2025: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA)- India's Largest Container Port, in a landmark step towards sustainability, has declared that JNPA- Special Economic Zone (SEZ) has successfully transitioned to 100% green energy for its operations. The SEZ has entered into a new short-term open access agreement to procure 6.0 MW of grid-connected wind power, effective September 1, 2025, at a significantly reduced rate of Rs. 3.12/KWH.

Speaking on the achievement, **Shri Unmesh Sharad Wagh, IRS, Chairperson, JNPA**, **and CMD, VPPL,** said, *"At JNPA, we firmly believe that sustainability and growth must go hand in hand. The transition of our SEZ to 100% green energy reflects our vision of creating a responsible, future-ready industrial ecosystem. This initiative not only reduces our environmental impact but also offers competitive advantages to industries operating within the SEZ. By leading this green shift, JNPA is reaffirming its role as a frontrunner in driving India's sustainable port-led industrial development. JNPA SEZ plays a pivotal role in our node-to-network strategy, enabling us to go beyond terminal services and solidify our position as a comprehensive port ecosystem player."*

As a deemed licensee, JNPA SEZ procures electricity for its consumers through open access, in accordance with the guidelines set by the Ministry of Power. Since its inception in August 2021, the SEZ has been sourcing electricity from conventional sources at Rs. 6.30/KWH. This transition marks both an environmental and economic milestone, enabling greener operations while reducing costs.

The move reinforces JNPA SEZ's commitment to environmental responsibility, carbon footprint reduction, and sustainable industrial development, setting a benchmark for other economic zones across the country.

This achievement underscores the relentless efforts of JNPA in steering towards impactful green initiatives and highlights its leadership in shaping a sustainable future for the port and logistics sector.

About JNPA:
The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA will be operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

Visit our website and social media to learn more:

JN Port: www.jnport.gov.in

LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

X: @JNPort

Instagram: @jnpaport

Facebook: @JNPA

For media enquiries, please contact:
Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in